खण्ड—स **2×20=40**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **500** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का है।

10. लज्जावग्ग के आधार पर शृंगार तत्व का विवेचन कीजिए।

11. भगवती आराधना के आधार पर आध्यात्मिक विकास का वर्णन कीजिए।

12. ससुरगेहवासीणं चउजामायराणं कहा के अनुसार आसक्ति के परित्याग का विवेचन कीजिए।

13. सिप्पिपुत्तस्स कहा की वर्तमान प्रासंगिकता की समीक्षा कीजिए।

DPL–02

June – Examination 2024

Diploma in Prakrit Language Examination

प्राकृत गद्य-पद्य

Paper : DPL-02

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

निर्देश :- यह प्रश्न-पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—अ **10×2=20**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम **30** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है।

1. (i) आगम किसे कहते हैं ?

   (ii) समणसुत्तं में कितने खण्ड हैं ?

   (iii) आचारांग सूत्र के अनुसार अहिंसा रूपी वटवृक्ष का बीज क्या है ?

(iv) मूलसूत्र किसे कहते हैं ?

(v) गउडवहो में कुल कितनी गाथाएँ हैं ?

(vi) आर्त रौद्र भाव कौनसे हैं ?

(vii) प्राकृत किसे कहते हैं ?

(viii) आगम के द्वादश अंगों में छठा अंग क्या है ?

(ix) मोक्ष का प्रथम सोपान क्या है ?

(x) आगम के द्वादश में छठा अंग क्या है ?

खण्ड—ब **4×10=40**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :- किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम **200** शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का है।

2. निम्नलिखित में से किसी **एक** गद्य की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(अ) पियस्स आणा अणइक्कमणीअ, त्ति चिंतिऊण सा भोयणकाले ताणं थूलं रोट्टगं घयजुत्तं देइ। तं दद्दूणं पढमो मणीरामो जामाया मित्ताणं कहेइ—''अहुणा एत्थ वसणं न जुत्तं, नियघरंमि अओ साउभोयणं अत्थि, तओ इओ गमणं चिय सेयं। ससुरस्स पच्चूसे कहिऊण हं गमिस्सामिं''।

अथवा

(ब) तया सो इंददत्तो वि सपुत्तो तत्थ समागओ। तं गणेसपडिमं दद्दूणं पुत्त कहेइ—'हे पुत्त ! एसच्चिय सिप्पकला कहिज्जइ। केरिसी पडिमा निम्मविआ, इमाए निम्मावगो खलु धण्णयमो सलाहणिज्जो य अत्थि। पासेसु, कत्थ वि भुल्लं खुण्णं च अत्थि ? जइ तुमं एआरिसी पडिमं निम्मवेज्ज, तया ते सिप्पकलं पसंसेमि, नन्नहा।''

3. निम्नलिखित में से किसी **एक** पद्य की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(अ) जया निव्विंदए भोए जे दिव्वे जे य माणुसे।
तया चयइ संजोगं सऽब्भिंतरबाहिरं॥

अथवा

(ब) जा जा वज्जई रयणी, न सा पडिनियत्तई।
अहम्मं कुणमाणस्स, अफला जन्ति राइओ॥

4. उत्तराध्ययन सूत्र का सामान्य परिचय दीजिए।

5. चरित्रपाहुड पर प्रकाश डालिए।

6. रोहिणीणाए की कथा का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

7. मुक्तक काव्य को स्पष्ट कीजिए।

8. दशवैकालिक ग्रन्थ के आधार सिद्धि के मार्ग को बताइए।

9. मानव की मूर्च्छा किस प्रकार टूट सकती है ? स्पष्ट कीजिए।